NATIONAL POLICE MEMORIAL

The National Police Memorial (NPM) has been established at Chanakyapuri, New Delhi as homage to the martyrdom of policemen in the performance of their duty. Being the only National Memorial in the country dedicated to police martyrdom, it gives Police Forces a sense of national identity, pride, unity of purpose, common history and destiny, besides reinforcing their commitment to protect the nation even at the cost of their supreme sacrifice.

Hon'ble Prime Minister dedicated the NPM to the nation on Police Commemoration Day on October 21, 2018.

The date derives significance from being the anniversary of the martyrdom of ten valiant policemen at Hot Springs (Ladakh) in an ambush by heavily armed Chinese troops, who had violated Indian territory in Aksai Chin, on October 21, 1959.

The NPM is conceived as an ode to our policemen, who fight on the country's borders, deal with counter militancy, terrorism as well as crime while maintaining law & order, protecting national assets, combating disasters and other emergencies. Since Independence, 34,844 policemen have been martyred (upto August 2018). Every year, on an average, more than 450 policemen lay down their lives in the line of duty.

The NPM includes a Central Sculpture, the Wall of Valour and an underground museum. As one enters the site, the flower laden ramparts with two large symmetrically placed bowls, laced with flowers on the periphery that rise above, symbolize the everlasting spirit of police martyrs and their dedication.

The Central Sculpture, designed by the National Gallery of Modern Arts, is a vertical 30 feet tall granite pillar which is a primordial yet permanent symbol of a sacred space for a police officer who is always in the line of duty. The single block of granite, both polished and unpolished, presents the ebony black granite as testimony of tolerance and karmic symbolism. 'Jeeva Jyot' is designed as an epitome of an eternal flame to keep the supreme sacrifice of police martyrs alive in common memory.

The 'Wall of Valour' is engraved with the names of police martyrs, who sacrificed their lives in the line of duty and reminds of their valour and glory. The NPM is a dynamic memorial, capable of additions to cater to the fact that policemen lay down their lives every year, whether on the country's borders, while fighting terrorism and militancy, while fighting crime and maintaining order, while protecting national assets, or in combating disasters and emergencies.

The museum set up in the premises of the National Police Memorial depicts the history, artifacts, police related gazette notifications, unique weapons and uniforms of Central and State Police Forces etc. It is a national level permanent exhibition on policing subjects. A section of the museum is dedicated to memory of the police martyrs from various Police Forces of the country.

Department of Posts is pleased to issue a set of two Commemorative Postage Stamps on the National Police Memorial.

Credits:

Text : Based on information received from the proponent

Stamps/Miniature Sheet/FDC/Brochure Cancellation Cachet : Smt. Alka Sharma

भारतीय डाक विभाग
Department of Posts
India

राष्ट्रीय पुलिस स्मारक
NATIONAL POLICE MEMORIAL

विवरणिका
BROCHURE

राष्ट्रीय पुलिस स्मारक

राष्ट्रीय पुलिस स्मारक की स्थापना चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में की गई है। यह स्मारक, कर्तव्य की राह में शहादत देने वाले पुलिसकर्मियों के प्रति श्रद्धांजलि स्वरूप बनाया गया है। शहीद पुलिसकर्मियों को समर्पित यह देश का एकमात्र राष्ट्रीय स्मारक है। यह स्थल, पुलिस बल के कार्मिकों में राष्ट्रीय पहचान, गर्व, एकमेव उद्देश्य, साझा इतिहास और नियति का भाव जागृत करता है और सर्वोच्च बलिदान देकर भी राष्ट्र की सुरक्षा करने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करता है।

माननीय प्रधानमंत्री ने 21 अक्तूबर, 2018 को पुलिस स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में इस स्मारक स्थल को राष्ट्र को समर्पित किया।

इस तारीख का महत्व यह है कि 1959 में इसी दिन (21 अक्तूबर) अक्साई चीन में भारी हथियारों से लैस चीनी सैनिक भारतीय सीमा में दाखिल हो गए और उन्होंने हॉट स्प्रिंग्स (लद्दाख) में भारतीय पुलिसकर्मियों पर घात लगाकर हमला बोल दिया। इस संघर्ष में 10 भारतीय जाबांज पुलिसकर्मी बहादुरी से लड़ते हुए शहीद हो गए।

राष्ट्रीय पुलिस स्मारक की परिकल्पना देश के उन साहसी पुलिसकर्मियों के प्रति श्रद्धांजलि और सम्मान स्वरूप की गई है, जो देश की सरहदों पर दुश्मनों से लोहा लेने के साथ–साथ उग्रवाद और आतंकवाद विरोधी कार्रवाई करते हैं तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ अपराध रोकने, राष्ट्रीय परिसंपत्तियों की सुरक्षा करने और आपदा प्रबंधन एवं अन्य आपात परिस्थितियों में जाबांजी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। स्वतंत्रता के बाद से अब तक (अगस्त, 2018 तक) 34,844 पुलिस कार्मिक शहीद हो चुके हैं। प्रतिवर्ष 450 से अधिक पुलिसकर्मी कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए अपने प्राणों की आहुति देते हैं।

राष्ट्रीय पुलिस स्मारक के केंद्र में एक विशाल पाषाण आकृति स्थापित की गई है। साथ ही, यहां वॉल ऑफ वेलर (शौर्य की दीवार) और एक भूमिगत संग्रहालय भी बनाया गया है। हम जैसे ही इस स्मारक स्थल में प्रवेश करते हैं, तो फूलों से सजी प्राचीरें हमारा स्वागत करती हैं। इन बुलंद प्राचीरों पर दो विशाल पात्र समरूप रखे गए हैं, जो फूलों से सजे हुए हैं। ऊंचे उठते हुए ये फूल, शहीद पुलिसकर्मियों और उनके समर्पण की शाश्वत भावना के प्रतीक हैं।

स्मारक स्थल की मुख्य विशाल आकृति का डिजाइन राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय द्वारा तैयार किया गया है। यह आकृति 30 फुट ऊंचा ग्रेनाइट का एक स्तंभ है, जो कर्तव्य के पथ पर सदा अडिग रहने वाले पुलिस अधिकारियों को समर्पित पवित्र स्थल का आदिकालीन और चिरकालीन प्रतीक है। गहरे काले रंग के ग्रेनाइट की एक अखंड शिला से बनी यह आकृति, जो कि पॉलिश युक्त भी है और बिना पॉलिश की भी है, सहिष्णुता और कर्मबोध का प्रतीक है। इस स्मारक की 'जीव ज्योत', पुलिस के शहीद कार्मिकों के सर्वोच्च बलिदान की याद जनमानस में सदा बनाए रखने के लिए अमर ज्योति के रूप में यहां मौजूद है।

'शौर्य की दीवार' पर पुलिस के उन शूरवीरों के नाम अंकित हैं, जिन्होंने कर्तव्य निर्वहन की राह में अपनी जान कुर्बान कर दी। यह दीवार हमें इन बहादुरों के शौर्य और शान की याद दिलाती है। इस भव्य स्मारक स्थल में परिवर्तन की गुंजाइश इस बात को ध्यान में रखते हुए रखी गई है कि प्रत्येक वर्ष हमारे बहादुर पुलिसकर्मी अपने कर्तव्यों का निर्वाह करते हुए अपनी जान न्यौछावर करते हैं, भले ही वह देश की सरहदों पर संघर्ष हो या आतंकवाद और उग्रवाद के विरुद्ध कार्रवाई या अपराध रोकने और कानून व्यवस्था बनाए रखने संबंधी कार्रवाई हो, राष्ट्रीय परिसंपत्तियों की रक्षा हो या आपदा और आपातकाल संबंधी कार्रवाई।

राष्ट्रीय पुलिस स्मारक के परिसर में स्थापित संग्रहालय में इतिहास और कलात्मक महत्व की वस्तुओं के साथ–साथ पुलिस से संबंधित राजपत्र अधिसूचनाएं, विशेष हथियार और केंद्र तथा राज्य पुलिस बल आदि की वर्दियां प्रदर्शित की गई हैं। यह, पुलिस व्यवस्था विषय पर राष्ट्रीय स्तर की स्थायी प्रदर्शनी है। इस संग्रहालय का एक भाग देश के विभिन्न पुलिसबलों के शहीदों की स्मृति को समर्पित है।

डाक विभाग, राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर दो स्मारक डाक–टिकटों का सेट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभार:–

मूलपाठ	: प्रस्तावक से प्राप्त सामग्री पर आधारित
डाक–टिकट / मिनियेचर शीट / प्रथम दिवस आवरण / विवरणिका / विरूपण मोहर	: श्रीमती अलका शर्मा

भारतीय डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS
INDIA

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	: 1500 पैसा, 1000 पैसा
Denomination	: 1500p, 1000p
मुद्रित डाक-टिकटें	: 534600 प्रत्येक
Stamps Printed	: 534600 each
मुद्रित मिनियेचर शीट	: 1.6 लाख
Miniature Sheet Printed	: 1.6 lakh
मुद्रण प्रक्रिया	: वेट ऑफसेट
Printing Process	: Wet Offset
मुद्रक	: प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	: Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at
http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

मूल्य: ₹ 5.00